

Padma Vibhushan



SHRI KALYAN SINGH (POSTHUMOUS)

Shri Kalyan Singh was a politician and social worker. He was known as a statesman, a veteran administrator, grassroot level leader who had magical connect with masses.

2. Born on 5th January, 1932 in Aligarh, Uttar Pradesh, Shri Kalyan Singh did his B.A from Agra University. He became a member of the Rashtriya Swayamsevak Sangh while he was in School.
3. Shri Kalyan Singh was Member of Uttar Pradesh Legislative Assembly from Atrauli during 1967-1980 and 1985-2002. He served as Minister of State, Health, Uttar Pradesh from 1977 to 1979. He was appointed Chief Minister of Uttar Pradesh twice in 1991 & 1997. He was Member of Parliament from Bulandshahar (2004-2009) and Etah (2009- 2014). In 2014, he was appointed Governor of Rajasthan. He also served as Governor of Himachal Pradesh on additional charge. After his five year service as Governor, he re-entered active politics in 2019.
4. Shri Kalyan Singh has left behind an indelible contribution towards the development of Uttar Pradesh. Generations to come will remain forever grateful to him for his contributions towards India's cultural regeneration. He introduced good law and order in Uttar Pradesh during his tenure as Chief Minister. He gave voice to crores of people belonging to the marginalised sections of society. He also made numerous efforts towards the empowerment of farmers, youngsters and women.
5. Shri Kalyan Singh passed away on 21st August, 2021.

पद्म विभूषण



श्री कल्याण सिंह (मरणोपरांत)

श्री कल्याण सिंह एक राजनीतिज्ञ और सामाजिक कार्यकर्ता थे। उन्हें एक राजनेता, अनुभवी प्रशासक और जमीनी नेता के रूप में जाना जाता था। उनका जनता के साथ करिश्माई संबंध था।

2. श्री कल्याण सिंह का जन्म 05 जनवरी, 1932 को अलीगढ़, उत्तर प्रदेश में हुआ। उन्होंने आगरा विश्वविद्यालय से बी.ए. किया। वह विद्यालय में पढ़ाई के दौरान, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सदस्य बन गए थे।
3. श्री कल्याण सिंह 1967 से 1980 और पुनः 1985 से 2002 तक उत्तर प्रदेश विधान सभा के सदस्य रहे। वह 1977 से 1979 तक उत्तर प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री रहे। उन्हें दो बार 1991 और 1997 में उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनाया गया था। वह बुलंदशहर (2004–2009) और एटा (2009–2014) से लोक सभा सदस्य रहे। वर्ष 2014 में उन्हें राजस्थान का राज्यपाल नियुक्त किया गया। उन्होंने हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी संभाला। पांच वर्ष तक राज्यपाल रहने के बाद, 2019 में वह एक बार फिर सक्रिय राजनीति में आ गए।
4. श्री कल्याण सिंह ने उत्तर प्रदेश के विकास में अविस्मरणीय योगदान किया है। भारत के सांस्कृतिक पुनर्निर्माण में उनकी भूमिका के लिए भावी पीढ़ियां सदा उनकी कृतज्ञ रहेंगी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल के दौरान, कानून और व्यवस्था की स्थिति बहुत मजबूत थी। वह समाज के पिछड़े वर्गों के करोड़ों लोगों की आवाज थे। किसानों, युवाओं और महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए उन्होंने भरपूर प्रयास किए।
5. श्री कल्याण सिंह का 21 अगस्त, 2021 को देहावसान हो गया।